12. मेघ आए

प्र.1 बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

उत्तर: बादलों के आने पर कवि ने प्रकृति में निम्नलिखित गतिशील क्रियाओं को चित्रित किया है

(i) बादल रूपी मेहमान के आने की सूचना देने के लिए हवा का नाचते-गाते चलना।

(ii) पेड़ों का झुककर झाँकना और गर्दन ऊँची करना।

(iii) धूल का घाघरा उठाकर भागना।

(iv) नदी का ठिठककर तिरछी नज़र से देखना।

(v) पीपल द्वारा झुककर मेहमान का स्वागत करना।

(vi) लताओं का पेड़ की शाखाओं में छिपना।

(vii) क्षितिज पर बिजली का चमकना।

(viii) तालाब द्वारा जल भरकर लाना।

(ix) ज़ोरदार वर्षा का होना।

प्र.2 निम्नलिखित शब्द किसके प्रतीक हैं?

धूल, पेड़, नदी, लता, ताल

उत्तर: धूल - गाँव की छोटी लड़कियों के लिए प्रयुक्त किया गया है, जो चंचलता के कारण अपना घाघरा उठाकर गाँव में दौड़ती रहती हैं।

पेड़ - ग्रामीण लोगों की मौजूदगी को दर्शाता है।

-gamerboy_aayan

12. मेघ आए

नदी - बहती हुई नदी गाँव की बहू का प्रतीक है, जो शहरी मेहमान को देखने के लिए घूँघट सरकाती है।

लता - कविता में लता नवविवाहिता पत्नी की प्रतीक है, जो बादल रूपी प्रियतम को बहुत दिन बाद आने का उलाहना देती है।

ताल - गाँव के उस व्यक्ति का प्रतीक है, जो शहर से आए मेहमान के स्वागत में चरण धोने के लिए परात में पानी लेकर आया है।

प्र.3 लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

उत्तर: लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ (दरवाज़े) की ओट से देखा, क्योकि लता स्वयं को एक नवविवाहिता पत्नी एवं बादल रूपी मेहमान को प्रियतम के रूप में देखती है और उसके आने पर उससे शिकायत करती है कि तुम्हें मेरी याद कितने दिनों के बाद आई, तुम पूरे एक साल के बाद आए हो।

प्र.5 मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

उत्तर: मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में विभिन्न प्रकार के परिवर्तन दिखाई देते हैं, जो निम्नलिखित हैं

(i) मेघों के आने पर हवा बहने लगती है।

(ii) पेड़ों की शाखाएँ भी झूमने लगती हैं और कभी नीचे तो कभी ऊपर की ओर उचक-उचककर बादलों को देखती रहती हैं।

(iii) नदी भी क्षण भर के लिए रुककर तिरछी नज़र से मेघों को देखती है।

-gamerboy_aayan

12. मेघ आए

(iv) लता अपने प्रियतम से एक साल बाद आने पर दरवाज़े की ओट से शिकायत करती है।

(v) तालाब तो अपना पूरा जल ही मेघों के लिए समर्पित करने के लिए तैयार रहता है।

प्र.6 मेघों के लिए 'बन-ठन के सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर: मेघों के लिए बन-ठन के सँवर के आने की बात इसलिए कही गई है, क्योंकि जिस प्रकार मेहमान (दामाद) अपनी ससुराल में सज-धजकर परी तैयारी से जाता है. उसी प्रकार काले-भरे मेघ भी सज-सँवरकर आए हैं। वे बहुत प्रतीक्षा कराने के बाद आए हैं और अपने साथ पानी-बिजली भी लाए हैं। उन्हें देखने के लिए सभी आतुर हैं।

प्र.7 कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर: मानवीकरण -

- मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
- आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
- धूल भागी घाघरा उठाए
- बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
- हरसाया ताल लाया पानी परात भर के
- पेड़ झुक झाँकने लगे, गर्दन उचकाए
- बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
- मिलन के अश्रु ढरके

-gamerboy_aayan

12. मेघ आए

- नदी ठिठकी घूँघट सरके

रूपक -

- क्षितिज अटारी गहराई

प्र.8 कविता में जिन रीति-रिवाज़ों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर: प्रस्तुत कविता में गाँव के रीति-रिवाज़ों का वर्णन किया गया है, जो इस प्रकार हैं

(i) जब घर में मेहमान (दामाद) आता है. तो सभी उसका स्वागत करते हैं।

(ii) बड़े बुज़र्ग लोग मेहमान का आदर से स्वागत करते हैं और घर में ऊँचे स्थान पर बैठाते हैं।

(iii) घर का कोई युवा मेहमान के पैर धोने के लिए परात में पानी लेकर आता है।

(iv) पत्नी थोड़ा शरमाती है और सामने न आकर दरवाजे के पीछे से ही उनका कुशल-क्षेम जानने की कोशिश करती है और देर से आने के लिए शिकायत भी करती है।

प्र.9 कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर: कवि ने आकाश में बादल के घिरने का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। बादल के आने पर किस प्रकार आँधी चलती है और अंत में वर्षा होती है, कविता में इन सब का मानवीकरण करते हुए वर्णन किया गया है। कविता में बादल की

-gamerboy_aayan

12. मेघ आए

तुलना घर आए मेहमान (दामाद) से की गई है, जो सज-धजकर रंग-बिरंगे रूप में आ रहा है। उसके आते ही लोग घरों की खिड़कियाँ और दरवाज़े, सभी खोल देते हैं और उत्सुकता से इधर-उधर ताक-झाँक करते हैं। ग्रामीण स्त्रियाँ घूँघट उठाकर मेहमान को देख लेती हैं। इसी प्रकार आँधी और बारिश के आने पर स्त्रियाँ घूँघट सँभाले शरमाती लजाती-सी ओट लेना शुरू कर देती हैं।

जिस प्रकार मेहमान अर्थात् दामाद का स्वागत सिर झुकाकर किया जाता है, उसी प्रकार गाँव का सबसे बूढ़ा पीपल का वृक्ष भी मेहमान रूपी बादल को सिर नवाता ppहै और कुशल क्षेम पूछता है। जिस प्रकार घर का कोई युवा गाँव में आए मेहमान का स्वागत परात में पानी लाकर पैर धोकर करता है, उसी प्रकार गाँव के ताल-पोखर बादल के पैर पखारकर उनका स्वागत करने को तैयार रहते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति (केवल पढ़ने के लिए) -

प्र.1 वर्षा के आने पर अपने आस-पास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर: वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही चारों ओर हरियाली छा जाती है। प्रकृति पूरी तरह धुली-धुली एवं सजी दिखाई पड़ती है। नदी-नाले, तालाब-पोखर सभी पानी से लबालब भर जाते हैं और रात में मेंढकों एवं झींगुरों की आवाज़ खूब सुनाई पड़ती है। इस मौसम का इंतज़ार सबसे अधिक देश के किसान करते हैं, जिनकी फ़सलों के लिए वर्षा अत्यधिक आवश्यक होती है।

प्र.2 कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है? पता लगाइए।

-gamerboy_aayan

12. मेघ आए

उत्तर: ग्रामवासी पीपल के पेड़ को शुभ मानते हैं। प्रत्येक गाँव में एक पुराना पीपल का पेड़ अवश्य होता है। अंपनी ऊँचाई और शाखाओं के विस्तार से वह गाँव पर नज़र रखता है तथा सबको अपने स्नेह का आश्रय प्रदान करता है। पीपल के पेड़ की आयु अन्य पेड़ों से अपेक्षाकृत अधिक होती है। गाँव के लोग पीपल की छाया में बैठकर शांति का अनुभव करते हैं। इन्हीं सब कारणों से उसे बुजुर्ग कहा गया है।

प्र.3 कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके क्या कारण नज़र आते हैं? लिखिए।

उत्तर: आजकल अतिथियों का स्वागत अब उस ढंग से नहीं किया जाता, जिस तरह पहले किया जाता था। मेहमान का स्वागत अब गाँवों में भी घर की चारदीवारी तक ही सिमट कर रह गया है। अधिक जान-पहचान वाले घरों के लोग ही अतिथि (मेहमान) का हाल-चाल पूछने आते हैं, लेकिन अब पहले वाली आत्मीयता नहीं रही। इसका कारण समय का अत्यधिक अभाव एवं सामाजिक जीवन का हास है। व्यक्ति अब अत्यधिक आत्म-केंद्रित हो गया है।

Sources: Govindo Sir – Hindi Teacher, Bal Mandir Senior Secondary School
All In One Hindi 'A' by Arihant Publications

-gamerboy_aayan